Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 1 | पुष्पी पादपों में लैंगिक जनन

QUIZ PART-06

1. **निषेचन के पश्चात अंडाशय किस रूप में विकसित होता है?**
   A. बीज
   B. फल
   C. भ्रूणपोष
   D. पुष्प (B)

व्याख्या : निषेचन के बाद अंडाशय परिपक्व होकर फल का निर्माण करता है, जबकि बीजाण्ड बीज में परिवर्तित होता है।

2. **भ्रूणपोष का मुख्य कार्य क्या होता है?**
   A. परागकणों का निर्माण
   B. बीजावरण का निर्माण
   C. भ्रूण को पोषण देना
   D. पुष्प का विकास करना (C)

व्याख्या : भ्रूणपोष पोषक तत्वों से भरपूर ऊतक होता है जो भ्रूण को विकास के दौरान आवश्यक पोषण प्रदान करता है।

3. **कच्चे नारियल का पानी किस प्रकार का भ्रूणपोष होता है?**
   A. कोशकीय भ्रूणपोष
   B. मुक्त केन्द्रकी भ्रूणपोष
   C. मिश्रित भ्रूणपोष
   D. अपभ्रष्ट भ्रूणपोष (B)

व्याख्या : कच्चे नारियल का पानी मुक्त केन्द्रकी भ्रूणपोष होता है जिसमें अनेक केन्द्रक होते हैं और कोई कोशिका भित्ति नहीं बनती।

4. **भ्रूणपोष विकास के दौरान केन्द्रकों का निर्माण बिना कोशिका भित्ति के होने को क्या कहते हैं?**
   A. कोशकीय भ्रूणपोष
   B. मुक्त केन्द्रकी भ्रूणपोष
   C. अपभ्रष्ट भ्रूणपोष
   D. परिपक्व भ्रूणपोष (B)

व्याख्या : जब भ्रूणपोष में केन्द्रकों का निर्माण तो होता है, परंतु कोशिका भित्तियाँ नहीं बनतीं, तो उसे मुक्त केन्द्रकी भ्रूणपोष कहा जाता है।

5. **द्विबीजपत्री भ्रूण में कितने बीजपत्र (Cotyledons) होते हैं?**
   A. एक
   B. दो
   C. तीन
   D. अनेक (B)

व्याख्या : द्विबीजपत्री भ्रूण में दो बीजपत्र होते हैं जो पोषक तत्व संग्रह का कार्य करते हैं, जैसे मटर, मूँगफली और सेम में।

6. **एकबीजपत्री भ्रूण में बीजपत्र को क्या कहा जाता है?**
   A. अमिकोर्प
   B. स्कुटेलम
   C. बीजपिठिका
   D. प्राकुंचोल (B)

व्याख्या : एकबीजपत्री पौधों में एक ही बीजपत्र होता है जिसे स्कुटेलम कहा जाता है, जो भ्रूणीय धुरी से जुड़ा रहता है।

7. **भ्रूणपोष का पूर्ण उपभोग करने वाले पौधों का उदाहरण कौन-सा है?**
   A. मटर
   B. अरंडी
   C. नारियल
   D. आम (A)

व्याख्या : मटर, मूँगफली और सेम जैसे पौधों में भ्रूण विकास के दौरान भ्रूणपोष का पूरा उपयोग हो जाता है।

8. **भ्रूण में जड़ के छोर को क्या कहा जाता है?**
   A. मूलांकुर
   B. प्रांकुर
   C. स्कुटेलम
   D. प्राकुंचोल (A)

व्याख्या : भ्रूण का निचला सिरा मूलांकुर कहलाता है, जिससे अंकुरण के समय प्राथमिक जड़ का विकास होता है।

9. **एकबीजपत्री भ्रूण में मूलांकुर किससे आवृत्त रहता है?**
   A. मूलगोप
   B. स्कुटेलम
   C. अमिकोर्प
   D. भ्रूणपोष (A)

व्याख्या : एकबीजपत्री भ्रूण में मूलांकुर एक सुरक्षात्मक आवरण, जिसे मूलगोप या कोलोराइजा कहा जाता है, से ढका रहता है।

10. **बीजपितों के ऊपर भ्रूण का कौन-सा भाग पाया जाता है?**
    A. मूलांकुर
    B. प्रांकुर
    C. भ्रूणपोष
    D. बीजावरण (B)

व्याख्या : बीजपितों के ऊपर भ्रूणीय धुरी का ऊपरी भाग प्रांकुर होता है, जो अंकुरण के समय तने और पत्तियों का निर्माण करता है।